➢ अलैंगिक जनन के प्रकार :–

द्वि – अमीबा
बहु – प्लाज्मोडियम

1. विखण्डन (Fission)
2. मुकुलन (Budding) — हाइड्रा
3. पुनरुद्भवन (Regeneration) — प्लेनेरिया
4. बीजाणु द्वारा (By spore)
5. खण्डन (Fragmentation) — स्पाइरोगाइरा
6. कायिक प्रवर्धन (Vegetative Propagation)

Plant

Eg:- राइजोपस

बीजाणुधानी

Sporulation

प्रतिकूल परिस्थिति

अनुकूल परिस्थितियां

बीजाणुDK

animals

Eg:- अमीबा

कायिक प्रवर्धन (Vegetative Propagation)

पौधे के कायिक भाग - जड़, तना, पत्ति → नए पत्ति

भूमिगत तना - आलू, प्याज, लहसुन

जड़ - डहेलिया

पत्ति - ब्रायोफिलम

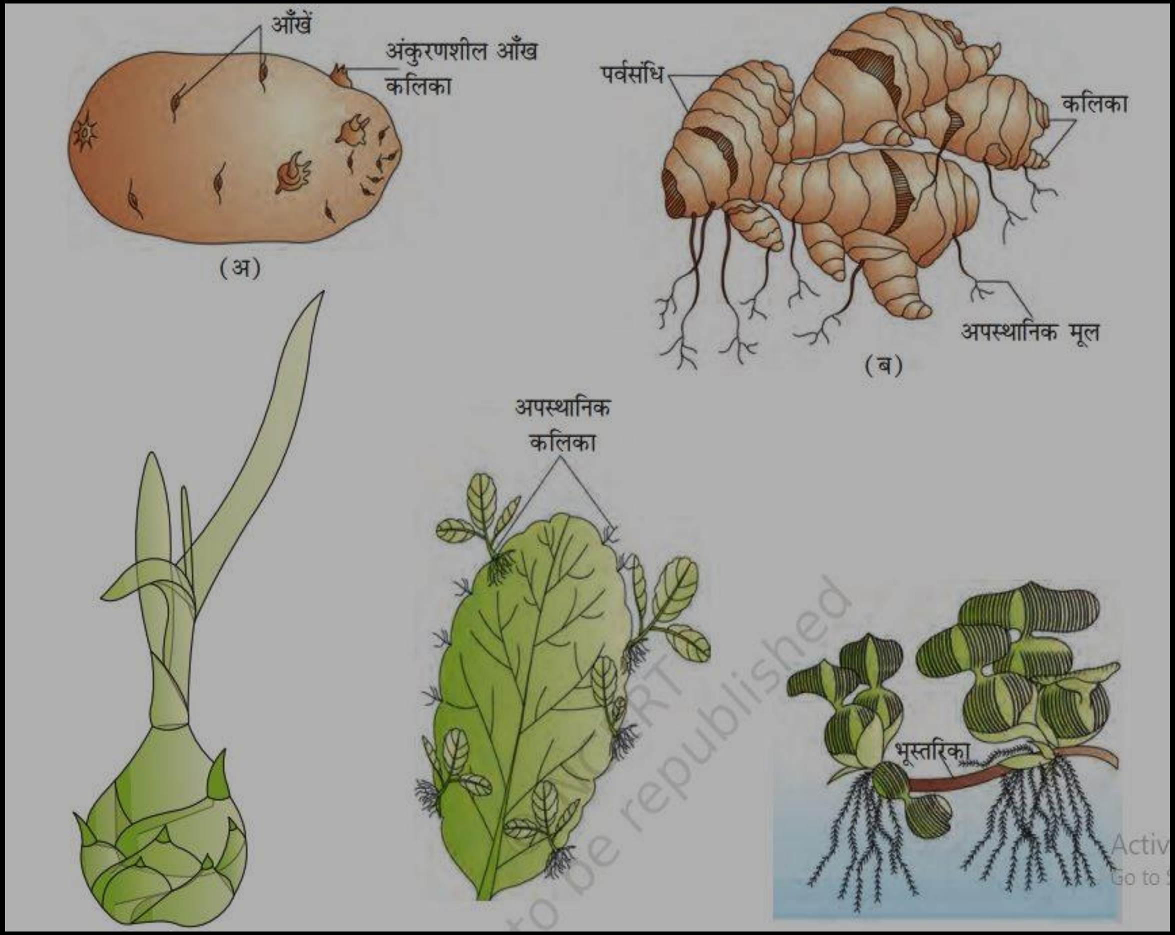
आँखें
अंकुरणशील आँख
कलिका
(अ)
पर्वसंधि
कलिका
अपस्थानिक मूल
(ब)
अपस्थानिक
कलिका
भूस्तरिका

बंगाल का आतंक

- जलकुंभी / (महाविपत्ति) / वाटर हायासिंध

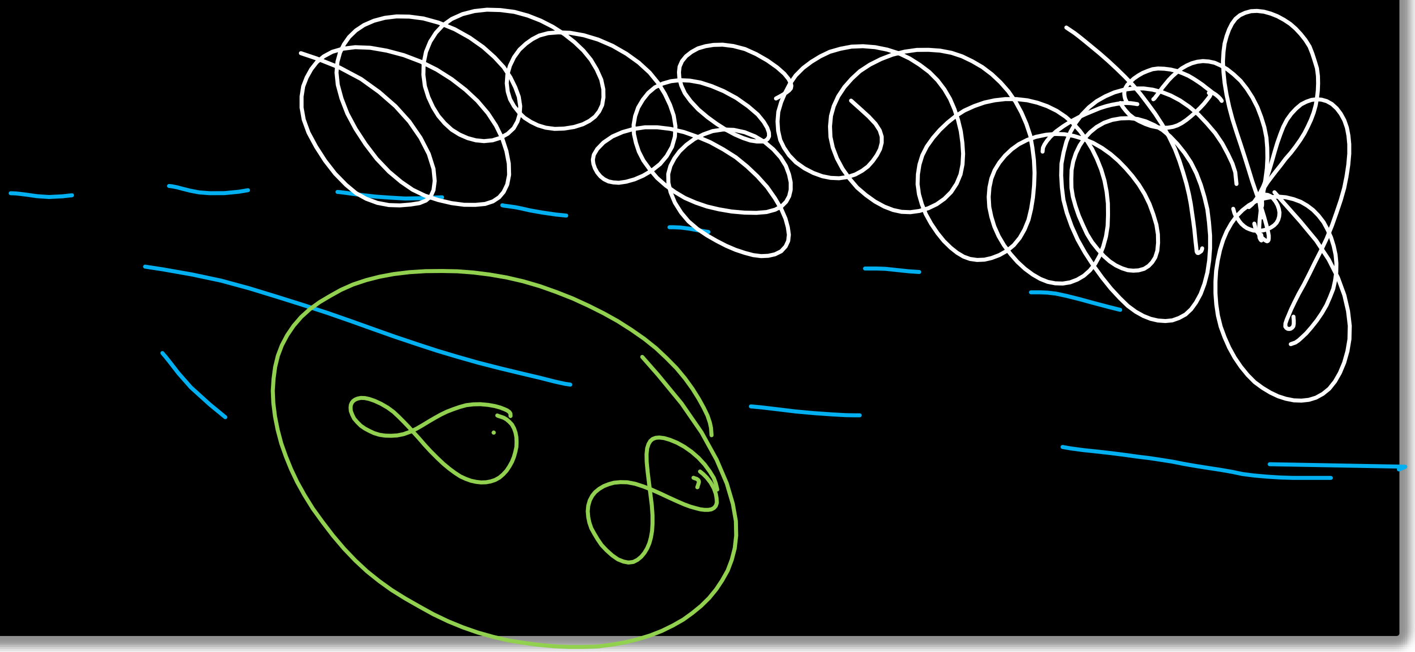

जीवन चक्र तीन प्रवस्थाएँ

1. किशोरावस्था / कायिक अवस्था (Juvenile/Vegetative)
2. प्रजनन अवस्था (Reproductive)
3. जीर्णावस्था (Mature/Senile)

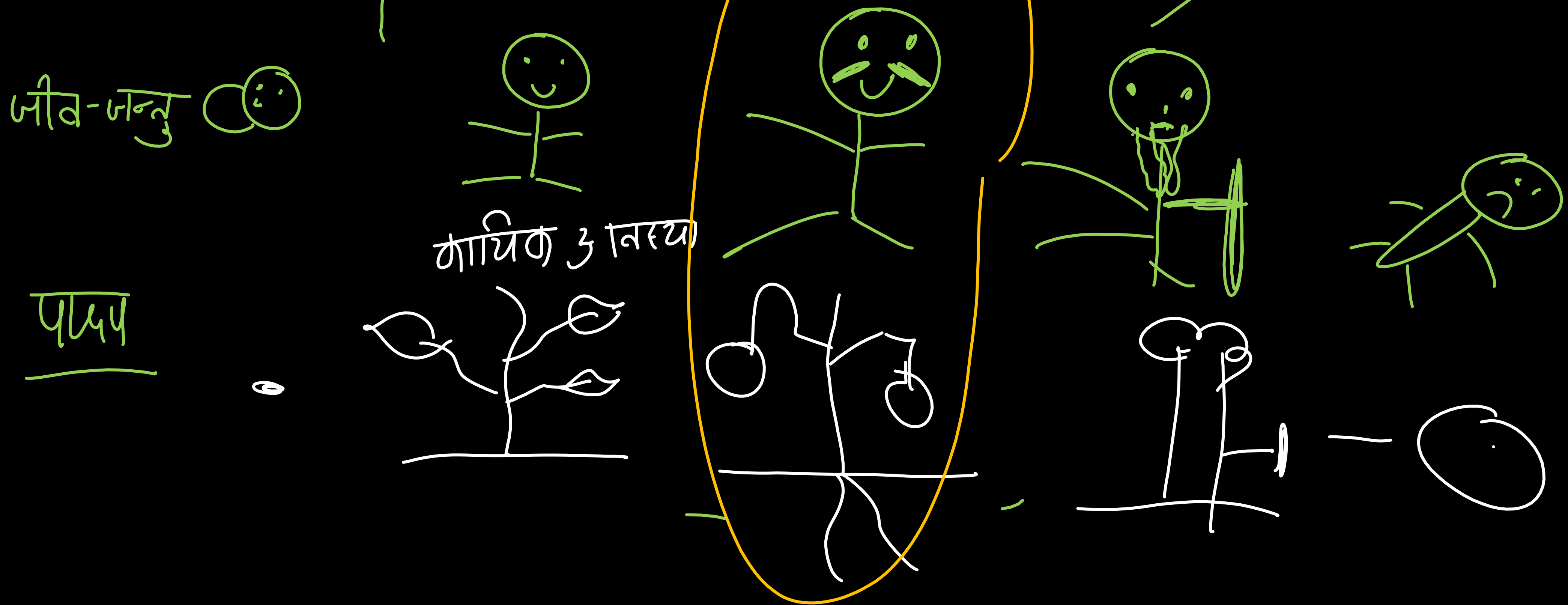

2. प्रजनन अवस्था (Reproductive) – पौधों में

मोनोकार्पिक पौधे
1
जीवनकाल → 1 बार पुष्प लगता है।
Eg :- गेहूं, धान – एकवर्षीय पादप
बांस – बहुवर्षीय पादप

पालीकार्पिक पौधे
बहुल
जीवनकाल – बार-बार पुष्प लगते हैं।
Eg :- आम
सेब

2. प्रजनन अवस्था (Reproductive) – जंतु में

रज चक्र

प्राइमिडिम्स मादाए

मनुष्य, बन्दर, कपि, चिंपान्जी

प्रत्येक माह होने वाला चक्रिय परिवर्धन

☆ हर महीने संतति

मद चक्र

नॉन - प्राइमिडिम्स। मादाए

गाय, भैंस, कुत्ता, चूहा

मौसमी प्राणी

(अण्डाशय, जनन मार्ग हार्मोन्स का चक्रिय परिवर्धन)

लैंगिक जनन की घटनाएँ

(a) निषेचन पूर्व घटनाएँ — युग्मकजनन, युग्मक स्थानांतरण

(b) निषेचन — नर युग्मक + मादा युग्मक संलयन

(c) निषेचन पश्च घटनाएँ — युग्मनज, भ्रूण, संतति

Thank You!